



# भारत का राजपत्र

# The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-28012025-260525  
CG-DL-E-28012025-260525

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 30]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 27, 2025/ माघ 7, 1946

No. 30]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 27, 2025/MAGHA 7, 1946

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय  
(वाणिज्य विभाग)  
(विदेश व्यापार महानिदेशालय)  
सार्वजनिक सूचना  
नई दिल्ली, 27 जनवरी, 2025  
सं 43 / 2024—2025

विषय: उद्गम ई—प्रमाणपत्र प्रणाली के कार्यान्वयन के अनुरूप प्रक्रिया पुस्तक के पैरा 2.91 और 2.93 में संशोधन—संबंधी।

फा.सं. 01 / 02 / 82 / एएम—19 / ईडीआई—पार्ट(1).— समय—समय पर यथा संशोधित विदेश व्यापार नीति 2023 के पैराग्राफ 1.03 और 2.04 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महानिदेशक विदेश व्यापार तत्काल प्रभाव से प्रक्रिया पुस्तिका 2023 के अध्याय 2 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं:

पैरा नं.	मौजूदा प्रावधान	संशोधित प्रावधान
2.91(घ)	<p>निर्यात निरीक्षण परिषद (ईआईसी) ऐसी एजेंसी है जो रिक्त प्रमाणपत्र के मुद्रण हेतु अधिकृत है। ईआईसीकी वेबसाइट <a href="http://www.eicindia.gov.in">www.eicindia.gov.in</a>में उद्गम प्रमाणपत्र जारी करने हेतु प्रक्रिया संबंधी ब्यौरे (शुल्क सहित) उपलब्ध हैं।</p>	<p>हटा दिया गया</p>
2.93(ग)	<p>(ग) सभी निर्यातकों जिन्हें उद्गम प्रमाणपत्र (गैर-तरजीही) प्रस्तुत करना है, को निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ परिशिष्ट-2ड. में सूचीबद्ध एजेंसियों में से किसी एक को आवेदन करना होगा।</p> <p>(i) निर्यात उत्पाद में प्रयुक्त मात्रा/निविष्टियों के उद्गम/उपभोज्यों के ब्यौरे।</p> <p>(ii) बीजक की दो प्रतियाँ।</p> <p>(iii) संबंधित बीजक के लिए पैकिंग सूची दो प्रतियों में।</p> <p>(iv) शुल्क 200/- रु. प्रति प्रमाण पत्र हो।</p>	<p>2.93.ग जिन निर्यातकों को गैर-तरजीही उद्गम प्रमाणपत्र (सीओओ) प्राप्त करना आवश्यक है, उन्हें <a href="https://trade.gov.in">https://trade.gov.in</a> के माध्यम से परिशिष्ट 2ड. में सूचीबद्ध किसी भी एजेंसी को अपना आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत करना होगा।</p> <p>(i) ऑनलाइन आवेदन के साथ बीजक और पैकिंग सूची की प्रति अपलोड करना आवश्यक है।</p> <p>(ii) सत्यापन दस्तावेजों सहित प्रत्येक उद्गम प्रमाणपत्र के लिए 200/- का शुल्क लागू है।</p>
2.93(घ)	<p>एजेंसी यह सुनिश्चित करेगी कि उद्गम प्रमाण पत्र (गैर तरजीही) मंजूर करने से पूर्व उपर्युक्त (क) में परिभाषित मानदंड के अनुसार वस्तुओं भारतीय मूल की हैं। प्रमाणपत्र परिशिष्ट-2ड. के अनुलग्नक II में दिये गये प्रपत्र के अनुसार जारी किया जायेगा। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रमाणपत्र में कोई शुद्धि/पुनःटंकन नहीं किया गया है। परिशिष्ट-2ड. में सूचीबद्ध होने हेतु कोई भी इच्छुक एजेंसी परिशिष्ट-2ड. के अनुलग्नक—I के अनुसार डीजीएफटी को अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकती है।</p>	<p>(i) जारी करने वाली एजेंसी यह सुनिश्चित करेगी कि इ उद्गम प्रमाणपत्र (गैर-तरजीही) प्रदान करने से पूर्व उपर्युक्त पैरा (क) में परिभाषित मानदंड के अनुसार वस्तुओं का भारतीय उद्गम प्रमाण पत्र परिशिष्ट 2ड. के अनुलग्नक-II पर विनिर्दिष्ट प्रपत्र के अनुसार जारी किया जाएगा।</p> <p>(ii) मौजूदा ई. उद्गम प्रमाण पत्र में कोई भी संशोधन जारी करने वाली एजेंसी को उद्गम प्रमाण पत्र आवेदन के स्थान पर ऑनलाइन रूप में अनुरोध करके किया जा जाएगा।</p> <p>(iii) परिशिष्ट 2ड. के अंतर्गत सूचीबद्धता की इच्छुक कोई भी एजेंसी, परिशिष्ट-2ड. के अनुलग्नक I के अनुसार डीजीएफटी को अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकती है।</p>
2.93(च)	<p>.</p>	<p>एजेंसिया पुनः निर्यात, ट्रांस शिपमेंट, वाणिज्यिक व्यापार उद्देश्यों हेतु भारतीय मूल की न होने वाली वस्तुओं के लिए एक के बाद एक उद्गम प्रमाणपत्र (गैर-तरजीही) जारी कर सकती है। ये प्रमाणपत्र विदेशी उद्गम के देश के आधार पर वस्तुओं के उद्गम की पुष्टि करने वाले दस्तावेजों के साक्ष्य के आधार पर जारी किए जाएंगे। जारी किए गए</p>

		एक के बाद एक उदगम प्रमाण पत्र (एनपी) पर सहायक दस्तावेज़ी साक्ष्य और मूल देश का विवरण स्पष्ट रूप से उल्लेखित होना चाहिए।
--	--	---

**इस सार्वजनिक सूचना के प्रभाव:** उदगम के ई प्रमाणपत्र के कार्यान्वयन के समन्वय में प्रक्रिया पुस्तक में संशोधन को अधिसूचित किया गया है। उदगम प्रमाणपत्र (गैर तरजीही) के बदले में दिए जाने वाले और एक के बाद एक दिए जाने वाले उदगम प्रमाण पत्र (गैर तरजीही) के प्रावधानों को भी अधिसूचित किया गया है।

संतोष कुमार सारंगी महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं पदेन अपर सचिव

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
**(Directorate General of Foreign Trade)**  
**PUBLIC NOTICE**

**New Delhi, the 27<sup>th</sup> January, 2025**

**No. 43/2024-25**

**Subject: Amendments to Para 2.91 & 2.93 of HBP, inline with the Implementation of the eCertificate of Origin System-reg.**

**F.No. 01/02/82/AM-19/EDI-Part(1)).**—In exercise of powers conferred under Paragraph 1.03 and 2.04 of the Foreign Trade Policy 2023, as amended from time to time, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in Chapter 2 of the Handbook of Procedures 2023 with immediate effect:

Para No.	Existing Provision	Revised Provision
2.91(d)	Export Inspection Council (EIC) is the agency authorised to print blank certificates. The website of the EIC ( <a href="http://www.eicindia.gov.in">www.eicindia.gov.in</a> ) provides procedural details (including fee) for issuance of the certificate of origin.	<<deleted>>
2.93(c)	All exporters who are required to submit CoO (Non-Preferential) would have to apply to any of agencies enlisted in Appendix 2E with following documents: (i) Details of quantum / origin of inputs / consumables used in export product. (ii) Two copies of invoices. (iii) Packing list in duplicate for concerned invoice.	Exporters required to obtain a Non-Preferential Certificate of Origin (CoO) must submit their applications online via <a href="https://trade.gov.in">https://trade.gov.in</a> to any of the agencies listed in Appendix 2E. (i) Copy of Invoice and packing list is required to be uploaded along with the online application. (ii) Fee of ₹200 is applicable for each

	(iv) Fee of Rs.200/- per certificate	Certificate of Origin including attestation of any additional documents.
2.93(d)	The agency would ensure that goods are of Indian origin as per criteria defined in (a) above before granting CoO (Non-Preferential). Certificate would be issued as per format given in Annexure-II to Appendix 2E. It should be ensured that no correction/re-type is made on certificate. Any agency desirous of enlistment in Appendix-2E may submit their application as per Annexure-I to Appendix 2E to DGFT.	(i) The issuing agency would ensure that goods are of Indian origin as per criteria defined at para (a) above before granting an CoO (Non-Preferential). Certificate shall be issued as per format specified at Annexure-II of Appendix 2E.  (ii) <b>Any correction in an existing eCoO may be requested online as an in-lieu CoO application to the issuing agency.</b>  (iii) Any agency desirous of enlistment under Appendix-2E may submit their application as per Annexure-I to Appendix 2E to DGFT.
2.93 (f)	-	<b>Agencies may issue Back-to-Back Certificates of Origin (Non-Preferential) for goods not of Indian origin for re-export, trans-shipment, merchanting trade purposes. These certificates shall be issued based on documentary evidence confirming the goods' origin based on the foreign country of origin. The details of the supporting documentary evidence and the Country of Origin must be explicitly mentioned on the back-to-back CoO (NP) issued.</b>

**Effect of the Public Notice:** Amendments in Handbook of Procedures in sync with the implementation of eCertificate of Origin are notified. Provisions for in-lieu Certificate of Origin (Non-Preferential) and Back-to-back Certificate of Origin (Non-Preferential) are also notified.

**SANTOSH KUMAR SARANGI** ,Director General of Foreign Trade & Ex-officio Addl. Secy.